

पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था

आईएमएफ की सलाह

पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को बहाली को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ ने उसे अमीरों पर टैक्स लगाने तथा गरीबों को बचाने को सलाह दी है। लेकिन इसका क्रियान्वयन आसान नहीं होगा। पाकिस्तान को लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था इतनी बुरी स्थिति में पहुँच गई है कि आईएमएफ जैसे बाहरी विशेषज्ञों के सहायक व तार्किक दिशानिर्देश भी लागू करना उसके लिए आसान नहीं है। हाल ही में आईएमएफ प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जियॉर्जियेवा ने पाकिस्तान को सलाह दी कि देश का आर्थिक संकट दूर करने के लिए वह अमीरों पर टैक्स बढ़ाए तथा गरीबों को बचाव करे। मुद्रासंकट का सामना कर रहे देश ने आईएमएफ से जुलाई में 'बेलआउट' की मांग की थी। वह दहाई अंक में मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है तथा वहां अनेक ढाँचागत मुद्दों का तत्काल समाधान जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में बैठक के समय क्रिस्टलीना की मुलाकात कार्यकारी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री अनावराह हक काफ़र से हुई जिससे पाकिस्तान के सामने मौजूद अनेक गंभीर आर्थिक मुद्दे उजागर हुए। क्रिस्टलीना ने जोर दिया कि पाकिस्तान को अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूलने के साथ ही देश की संकटग्रस्त जनसंख्या को सहायता करनी चाहिए। आईएमएफ पाकिस्तान में आर्थिक सुधारों की पैरवी करता रहा है। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति से कराह रही है जो आईएमएफ द्वारा दिए 3 बिलियन डॉलर बेलआउट पैकेज के साथ जुड़ी शर्तों से और संकटग्रस्त हो गई है। इस बीच आम जनसंख्या के लिए स्थिति बद से बदतर हुई है। बिजली और पेट्रोल कीमतों में भारी



उत्तरे के संतुलित दृष्टिकोण का महत्व स्पष्ट करता है। लेकिन विवर्धना है कि इस बेलआउट या इसके पहले के बेलआउट से कुछ भी नहीं बदला है। आम पाकिस्तानी लगातार पेशानियों का सामना कर रहा है, जबकि पाकिस्तानी विशिष्ट वर्ग व खासकर सेना विशेषाधिकारों का आनन्द ले रहे हैं। ये कदम न केवल राजकीय स्थिरता, बल्कि गंभीर आर्थिक संकटों का सामना कर रहे देश में सामाजिक एकजुटता बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। आईएमएफ ने 3 मिलियन डॉलर बेलआउट पैकेज मंजूर किया है जो देश को कर्ज अदायगी के संकट से बचाने के लिए जरूरी है। फिलहाल इससे भले ही संकट टल गया हो, पर यहाँ पाकिस्तानी व्यवस्था में गहराई तक व्याप्त है। उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी होने के लिए उद्योग-व्यापार को घटाना वाने पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन वह 10 सरकारी स्वामित्व वाले कंपनियों के निजीकरण जैसे मामूली कदम उठा रहा है। हालाँकि, यह कदम घाटे में चल रहे राज्य स्वामित्व वाले उद्योगों के लिए आईएमएफ की सलाह के अनुसार है, पर यह स्थायी समाधान नहीं है। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को ऐसे ढाँचागत सुधारों की आवश्यकता है जो बिजनेस परिवेश बेहतर बना सकें। आईएमएफ की सलाह लागू करना आसान नहीं है क्योंकि पाकिस्तानी विशिष्ट वर्ग जनवरी के अंत में होने वाले आम चुनाव के पहले इसका भारी विरोध करेगा। अल्पकालीन रूप से ऐसे कदम पाकिस्तान को डुबने से बचा सकते हैं, पर आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान का राज्य के रूप में अस्तित्व इस पर निर्भर होगा।



हाल में ही देश ने हिंदी-दिवस, हिंदी-सप्ताह, हिंदी-पखवाड़ा आदि की फिजूल की औपचारिकताएँ पूर्ण कर चैन की सांस ली है, हिंदी मास भी अपनी समाप्ति के अंतिम चरण में है। इसके साथ ही हिंदी की बिंदी उतर कर एक बार फिर ड्रेसिंग टेबल के आर्डिनर अथवा अगले साल के कैलेंडर के चौहद सितंबर तारीख पर चिपका दी जाएगी। इस साल भी आयोजन की सारी नैटवर्कियाँ कमोबेश फिर से पूर्ववत् दोहराई गई। हिंदी के उद्गार हेतु आयोजित इन समेलनों के मंचों पर राष्ट्र निर्माण में लगे छोटे बड़े राजनताओं, नौकरशाहों तथा कार्यक्रम आयोजक दलालों के बीच, बर्फी पर लगे काजू-बादाम की तरह इस्के-डुस्के विराजमान हिंदी के तथकथित वफाई लेखकगणों ने मंच की शोभा बढ़ाई। इन मंचों से सारे वस्तु या तो कच्चे-पक्के आंकड़ें पेशकर अखिल विश्व में लहरा रहे राष्ट्र-भाषा के परचम का गुणगान करते रहे या फिर इसकी सौतन अंग्रेजी को गालियाँ देकर तालियाँ पाते रहे। हिंदी का असल दुर्भाग्य तो यही है कि इन आयोजनों के ज्यादातर आयोजनकर्ता, भाषण कर्ता और ताली बजाने वालों को यह भी नहीं पता की हिंदी देश की राष्ट्रभाषा है या राजभाषा और यह भी नहीं पता है कि आखिर राष्ट्रभाषा, राजभाषा में अंतर क्या है।

उद्धेयनीय है कि महात्मा गांधी ने सबसे पहले 1917 में गुजराज के भरुच सम्मेलन में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की थी। गांधीजी ने साल 1918 में भी 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात कही थी। महात्मा गांधी के अलावा जवाहरलाल नेहरू भी थे जिन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की कवालत की थी। संविधान सभा ने भी 14 सितंबर 1949 को इससे राजभाषा का दर्जा देने को लेकर सहमति जताई थी। 1950 में संविधान के अनुच्छेद 343(1) के द्वारा हिंदी को देवनागरी लिपि के रूप में संघ की राष्ट्रभाषा बतर्ज कर दिया गया। परंतु यह हिंदी नहीं बल्कि देश का दुर्भाग्य है कि आज पर्यंत हिंदी आधिकारिक 'राष्ट्रभाषा' नहीं बन पाई है। विश्वगुरु कलहने

वाले, विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले गौरवशाली देश के पास आजादी के 77 साल बाद भी अपनी एक अदद 'राष्ट्रभाषा' का ना होना राष्ट्रीय शर्म और विपन्नता नहीं तो और क्या है? और ऐसा आखिर क्योंकर हुआ ?

तब दक्षिण के राज्यों के तत्कालीन नेताओं के द्वारा क्षुद्र क्षेत्रीय राजनैतिक लाभ से प्रेरित होकर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का विरोध किया गया। आगे भी, आवश्यकतानुसार समय-समय-समय वोटों की राजनीति के तहत दक्षिण राज्यों की जन भावनाओं को हिंदी के विरुद्ध खड़ा कर इसे तबों को गर्म कर हमेशा राजनैतिक रोटों सेंकी गई है। सोचनीय विषय है कि इन्हें सात समुंदर पार से आई अंग्रेजी भाषा स्वीकार है पर अपने देश की भाषा हिंदी स्वीकार नहीं है। चाहे हम स्वीकार करें अथवा ना करें पर हकीकत यही है कि हमारे देश में आज अंग्रेजी सफल, संपन्न, शिक्षित, आभिजात्य वर्ग की भाषा के रूप में स्थापित हो गई है। हिंदी भाषी कितना भी पढ़ लिखा उच्च शिक्षित क्यों ना हो पर उसे जगह-जगह पर दोषदंड दर्जे का नागरिक होने का सप्रयास एक्सास दिलाया जाता है। कुछ उदाहरणों से यह और ज्यादा स्पष्ट होगा। विमान पतन पर टिकट

छड़की पर तैनात व्योमबालाओं से आर-आपने हिंदी में बात शुरू की तो उनके भाव भावा एवं प्रतिक्रिया से आपको भली-भाँति समझ में आ जाएगा कि आपकी हिंदी ने आपको बलपूर्वक दूसरे पायदान पर खिसका दिया है। वहीं अगर कोई दूसरा यात्री जब कोई-नौटी अंग्रेजी में अपने वार्तालाप की शुरुआत करता है तो उसे अनयाश्रय प्रथम प्रार्थनात्मक का दर्जा मिल जाता है। बहुत संभावना इस बात की होती है कि दोनों को हिंदी आती है और कब बार यह वार्तालाप अंग्रेजी में शुरू होने के बाद दोनों ही सुविधानुसार हिंदी पर उतर आते हैं, पर इससे उसकी प्रार्थनात्मकता क्रम में कोई अंतर नहीं जाता। इन हवाईअड्डों की किताब की दुकानें तो मुझ जैसे हिंदी-भाषी को हताशा और कुंठ में सजा देती हैं। यहाँ आलमगिरियों में सलीके से सजा विश्व का प्रतिनिध साहित्य के साथ ही लगभग हर विषय पर पुस्तकें मौजूद हैं, पर सब कुंठ केवल अंग्रेजी की। यहाँ इक्की-दुक्की हिंदी पत्रिकाओं और दो चार तथाकथित बेस्टसेलर हिंदिंगशा उपन्यासों के अलावा पूरा का पूरा हिंदी साहित्य पूरी तरह नदारत है। पिछले 25 सालों से इन दुकानों में निर्यात रूप से जाता रहा हूँ और हर बार हिंदी की ज्यादा पुस्तकें भी रखने का अनुरोध करता रहा हूँ। इनके तयशुदा जवाब आज भी वही है जो 25 साल पहले थे कि हिंदी

क्षेत्रीय बोली-भाषाओं का संरक्षण, संवर्धन व विकास होना ही चाहिए, पर यह सब 'राष्ट्रभाषा' की कीमत पर कदापि नहीं।

किताबें लोग खरीदते ही नहीं तो रखने से क्या फायदा और दूसरा यह कि उनकी कंपनी के उच्च अधिकारी हिंदी की किताबें रखवाते ही नहीं, यह तो वही बात होगी पहले मुर्शि या अंडा? भाई हिंदी की किताबें दुकान में रखोगे ही नहीं, दिखेंगी ही नहीं, तो बिकेंगी कैसे ? एक और कारण जिसकी और अभी कम ध्यान गया है वह है 'हिंग्लिश' जो कि हिंदी को बहुत तेजी से और बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा रही है। जरा देखिए कौन है वह लोग जो हिंदी की किताबें बनाने में जुटे हैं।

ब्रैकिंग-न्यूज वाले लाभग्राही सभी टीवी चैनल अपनी हिंदी को हिंग्लिश बानाने में जुट हुए हैं, अर्थात् 'ब्रैकिंग-न्यूज' को 'नवीनतम-समाचार' अथवा 'ताज़ा-ख़बर' भी तो कहा जा सकता था। वर्तमान दौर के तथ्यांकिय बेस्टसेलर युवा लेखकों ने भी हिंदी को हिंग्लिश बानाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिल्मों ने भी हिंदी को पूरे देश में लोकप्रिय बानाने, तथा इसके विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया था। आज दक्षिण भारत के बहुसंख्य लोग अगर हिंदी समझ पाते हैं, तो उसका एक प्रमुख कारण हिंदी फिल्मों हैं। पर आज के समय में इन हिंदी फिल्मों में अंग्रेजी भी एक प्रमुख किरदार बनकर उभरा है। आज की दौर की फिल्मों में पढ़े-लिखे प्रेमी प्रेमिका, पति-पत्नी तथा ज्योदार किरदार प्रायः अंग्रेजी में झगड़ते नजर आते हैं, और गालियाँ तब-तब प्रस्तुत अंग्रेजी ही प्रयुक्त होती है। वैसे इसको लेकर कोई अफसोस हिंदी को नहीं होना चाहिए। आजकल कई बार फिल्मों में हास्य उत्पन्न करने के लिए शुद्ध हिंदी के कठिन वाक्यों व अप्रचलित शब्दों का प्रयोग किया जाता है, यह हिंदी का उपहास ही तो है। एक समय हिंदी की पक्कारिता तथा हिंदी-सम्बन्ध पत्र हिंदी को लोकप्रिय तथा समृद्ध बानाने के एक प्रमुख साधन थे। परंतु अब मामला एकदम उलट है। बड़े शहरों को छोड़ दें तो छोटे मझोले शहरों,

कस्त्रों के 'हक्कर' ही आज पत्रकार बन गए हैं। इनमें से ज्यादातर का लिखने-पढ़ने से कोई खास वास्ता नहीं होता। इन हाकरनुमा अंशलिपि पत्रकारों में गजब का भाईचारा होता है। आंचल से कोई एक जो थोड़ा बहुत लिख पढ़ लेता है वो अपनी लूली लंगड़ी हिंदी में समाचार बनाकर सभी भाइयों को समाचार बांट देता है, जिसे सब ऊपर भेज देते हैं, आगे इसे थोड़ा बहुत सुधार कर और समयाभाव में कभी-कभार जस का तस पाठकों को परोस दिया जाता है। कई बार ये समाचार व्याकरण के बंधनों से पूरी तरह मुक्त होते हैं। हिंदी को नुकसान पहुंचाने में इनका भी कम योगदान नहीं है। अगर हमारे अंग्रेजी मीडियम पब्लिक स्कूलों, कॉन्वेंट स्कूलों से पढ़ लिख कर निकल रही नई पीढ़ियां बहुत तेजी से हिंदी से हिंग्लिश की ओर बढ़ चली हैं। विचारणीय प्रश्न यह है की क्या यह फिसलन ही जो जकार से होते हुए अंत में हिंग्लिश पर ही जाकर खेकंगी ? क्या संविधान द्वारा हिंदी राष्ट्रभाषा का दर्जा देकर इसे संरक्षित संवर्धित किया जा सकता है ? और इसमें हिंदी साहित्यकारों तथा हिंदी की प्र प्रत्रिकाओं की क्या भूमिका होनी चाहिए ? प्रश्न है और यह एक लंबी बहस का विषय है। एक और कम चर्चित पर महत्वपूर्ण विषय है। स्वतंत्रता के बाद

बोली भाषा के आधार पर राज्य बनाए गए। कालांतर में वोट की राजनीति एवं बेहतर प्रशासन की दृष्टिकोण से अन्य कई नये राज्य का भी गठन हुआ। सभी राज्यों ने अपनी क्षेत्रीय पहचान व आंचलिक अस्मिता को सुदृढ़ बनाने स्थानीय बोली भाषाओं को महत्व दिया जो कि जरूरी भी था। इससे एक प्रचलित आगे बढ़कर राज्यों ने राज्य की बहु प्रकट बोली अथवा भाषा को प्रदेश की राजभाषा का दर्जा भी दे दिया। प्रथम दृष्टया इसे स्थानीय बोली-भाषा के संरक्षण एवं विकास के रूप में देखा जा सकता है। किंतु प्रकारांतर से यह बह हिंदी को न केवल गंभीर नुकसान पहुंचा रही है बल्कि एक सक्षम राष्ट्रभाषा के विकास के मार्ग का भी सबसे बड़ा रौड़ा है। उदाहरण के लिए छत्तीसगढ़ को ही ले लीजिए। | 2001 में छत्तीसगढ़ नया राज्य बनने के बाद कालांतर में छत्तीसगढ़ी बोली को वोटों की राजनीति के तहत राजभाषा घोषित कर दिया गया। जबकि यह केवल राजधानी रायपुर के जिले की इद-गिर्द को कुछेक राज्यों में ही बोली जति है। समुगजा तथा उससे लगे जिलों की बोली एकदम अलग है। बिलासपुर तथा उससे लगे जिलों की बोली भी अलग है। इतना ही नहीं इस प्रदेश का सबसे बड़ा क्षेत्र अर्थात बस्तर के केशकाल घाट से लेकर कोरापुत तक तीन सौ किलोमीटर लंबे तथा लगभग सौ किलोमीटर

पड़े लगभग पच्चीस हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में यह राजकीय भाषा छत्तीसगढ़ी बोली ही नहीं जाती। बल्कि यहां हल्बी, गोंडी, भतरि, दोरली आदि जनजातीय बोलियाँ बोली जाती हैं। यह रियासत काल में यहां की संपर्क भाषा हल्बी थी। आजादी के बाद इस जनजातीय क्षेत्र की संपर्क भाषा हिंदी रही है। अब यहां पर राजभाषा के रूप में राजधानी की बोली छत्तीसगढ़ी को थोप दिया गया है। हाल में 14 सितंबर को जब हिंदी दिवस पड़ा तो इसी समय क्षेत्रीय अस्मिता को उभरने के दृष्टिकोण से तथा वोट की सुनिश्चित राजनीति के तहत एक क्षेत्रीय त्योंहार पोलातिहर के लिए अक्सर कानूनी घोषणा कर दी गई। हिंदी दिवस मनाने वाले साहित्यकार 'पोला-तिहार' मनाने में लग गए। आधे अधूरे मन से यहां वहां छुटपुट हिंदी-दिवस मनाने की औपचारिकताएं पूरी हुईं। अब कुछ दिनों बाद 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस मनाया जाना है। इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है। राज्य शासन द्वारा मनाए जा रहे इस समारोह से जुड़े सारे के सारे साहित्यकार आश्चर्यचकित रूप से वहीं हैं जो हिंदी के बीच वरिष्ठ साहित्यकार माने जाते हैं। अब राज्य की राजधानी मंगलयों तथा सरकारी कार्यालयों में छत्तीसगढ़ी बोलने पर जोर दिया जा रहा है। नौकर के लिए छत्तीसगढ़ी को अनिवार्य कर दिया गया है। साक्षात्कार में छत्तीसगढ़ी के प्रभु अनियाय हैं। जाहिर है हल्बी, गोंडी दोरली भतरि बोलने वाले बस्तर के प्रतियोगी पिछड़े हों।

राजधानी के कार्यक्रमों, जनसभाओं में वक्ता सप्रयास छत्तीसगढ़ी बोलने का अभ्यास कर रहे हैं। जाहिर है जिस मंच से अधिकांश लोग छत्तीसगढ़ी में बोलेंगे वहां बस्तर से गया कोई वक्ता अगर हिंदी में बोलेंगा तो उसे बाहरी होने का एहसास होगा भी और दिलिया भी जाएगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी के राजभाषा के सिंहासन पर आरुढ़ होने के कारण उपेक्षित हो रही बस्तर की हब्बनी, गोंडी, भतरी दोरली आदि बोलियों के भी दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण का आवश्यकता है। क्योंकि किसी एक बोली-भाषा के मिट जाने से उस समुदाय का सदियों सदियों से संचित अनुभवजनित परंपरागत ज्ञान, कला तथा लोकसाहित्य भी मिट जाता है। यह मानवता की एक अपूर्णीय क्षति होती है। इसलिए इन्हें विलुप्त होने से हर हाल में बचाया जाना चाहिए। कुल मिलाकर ऐसी स्थिति बननी चाहिए, कि क्षेत्रीय बोली भाषाओं का पर्याप्त संरक्षण संवर्धन व विकास होना ही चाहिए पर यह सब 'राष्ट्रभाषा' की कीमत पर कदापि नहीं होना चाहिए।

आस्था, शांति और एकता का आह्वान

ईश्वर में आशा
और विश्वास
की सकारात्मक
भावना हमारी
भलाई के लिए
आवश्यक है।

”

राधानाथ स्वामी महाराज
(लेखक, आध्यात्मिक गुरु हैं)

A portrait of Radhanath Swami Maharaj, a spiritual leader, smiling. He is bald and wearing an orange robe.

भाव गवत गीता श्लोक (बीजी 8.15) में कहा गया है, कि दुनिया जीवित प्राणियों के लिए अग्निपरीक्षा और बेचैनी का स्थान है। इसके अलावा, यह प्रकृति (आदि-देविका), समाज (आदि-भांतिका), और शरीर और मन (आध्यात्मिक) द्वारा उत्पन्न होने वाली परेशानियों की शैलियों को रेखांकित करता है। क्या असुविधा का कारण आक्रोश, कड़वाहट और क्रोध उत्पन्न होता है? क्या यह पीड़ित मानसिकता का आह्वान करता है? क्या दुनिया की जन्मजात परेशानियों के पास हिंसा करने, पीड़ितों प्रतिद्विष्टता पैदा करने और दुश्मनी फैलाने का लाइसेंस है?

मनुष्य शांति और सद्भाव में रहने के

लिए तत्पर हैं, लेकिन फिर भी हम व्यक्तिओं, परिवार, दोस्तों और राष्ट्रो के बीच झगड़े देखते हैं। ऐसे झगड़ों/युद्ध के पीछे अंतर्निहित कारण किसी भी संभावित संवाद की स्पष्ट विफलता को दर्शाता है, लेकिन इससे भी अधिक यह इस लड़ाई/युद्ध में सीधे तौर पर शामिल किसी व्यक्ति या नेताओं के असली चरित्र को उजागर करता है। भगवद गीता 16.4 में कहा गया है; पाखंड, अहंकार, दंभ, क्रोध, क्रोडता और अज्ञानता अज्ञान से प्रसृत व्यक्ति के लक्षण हैं। और, ये झगड़े/युद्ध व्यक्तियों/नेताओं के दिलों में बैठे गहरे काले गुणों को उजागर करते हैं, जो मानवता के दुर्भाग्यपूर्ण अमानवीकरण का कारण बनते हैं।

ऐतिहासिक, वैश्विक और पीढ़ीगत रूप से हर लड़ाई/युद्ध अच्छे इरादे वाले और गैर-अच्छे इरादे वाले लोगों या समूहों के बीच परस्पर विरोधी विचारधाराओं के कारण लड़ा गया है। परन्तु लोग आध्यात्मिक ज्ञान से रहित हैं; बिना ज्ञान सोचें-समझें अपनी स्वार्थी विचारधाराओं को आगे बढ़ाने के लिए मनमौजी, सहज



और भावनात्मक रूप से कार्य करें। इसके अतिरिक्त, जब लोग दिन में 20 बार यह विश्वास करने लगते हैं कि वे %सही% हैं, तो यह बात उनके दिमाग में बैठ जाती है। वे (छद्म) भगवान के रूप में कार्य करते हैं और अपनी अज्ञानता को बेशर्मा से प्रदर्शित करते हैं, जिससे कई लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वे यह पहचानने में असफल रहते हैं कि, मूल रूप से,

प्रत्येक प्राणी आध्यात्मिक पहचान (नास्ततमनो) में समान है। अहंकार और अज्ञानता में डूबे हुए वे जीवन की पवित्रता को समझने में विफल रहते हैं, और इस प्रकार गैर-लाभकारी, विनाशकारी कार्य (अग्र कर्म) में संलग्न होते हैं, जिससे सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक बर्बादी (क्षय जगत) होती है। सर्व महानता क्षमा, त्याग और जीवन के उच्च

उद्देश्य, शांति और सद्भाव के लिए समझौता करने में निहित है। यदि ये वे मूल्य नहीं हैं जो हमें प्रेरित करते हैं, यह अन्यथा कैसे हो सकता है? लचीलापन और क्षमा को बढ़ावा देने वाली आध्यात्मिकता के अभाव में, लोग स्वाभाविक रूप से अंतर्हीन प्रतिक्रिया के खूनी चक्र में फँस जाते हैं। एक सामाजिक चिन्ताकार के प्रश्न के रूप में, पाठियों को बातचीत की जगह पर लाने के लिए प्रति मील कितने जीवन अंततः काम आएंगे? यदि बदले के बदले दाँत और आँख के बदले आँख की नीति अपनाई जाए तो पूरा समाज अंधा और दाँत विहीन हो जाएगा।

कृष्ण चेतना का सर्वात्मक संदेश, महत्वपूर्ण समय में ईश्वर में आशा, अर्थहीनता का और विपश्चिन्ता का सकारात्मक भावना का आह्वान करता है। ऐतिहासिक रूप से, कंस ने एक ईश्वरविहीन राज्य चलाया और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए बल, छल, भय और बल का उपयोग करके समाज में कहर बरपाया। पीड़ा को शांतता के करने के लिए, भगवान् कृष्ण दुनिया के अधरे के बीच बिजली के रूप में प्रकट हुए।

और कंस को निष्क्रिय कर दिया, जो मोक्ष से परे अज्ञानता की भावना से ग्रस्त था। वर्तमान में, भगवान की यह विद्युत् शक्ति गीता के ज्ञान के रूप में, हमारी पहुँच के भीतर अभी भी सुलभ है। सामाजिक, सांस्कृतिक या धार्मिक विविधताओं के बावजूद, गीता का आध्यात्मिक ज्ञान हमें अपने जीवन को स्वार्थी और अदूरदर्शी उद्देश्यों से परे एक उच्च उद्देश्य की ओर उन्मुख करने की शक्ति देता है। इस उच्च उद्देश्य को विषय नेताओं और नागरिकों के दिल में रखने की जरूरत है, जो क्षमा, धैर्य, सादगी, अहिंसा, सच्चाई और क्रोध से मुक्ति जैसे सार्वभौमिक गुणों द्वारा निर्देशित हों।

ज्ञान से प्रेरित होकर और व्यक्तियों के रूप में अपने जीवन में ऐसी अनुकूल विशेषताओं को एकीकृत करके, हम एक सकारात्मक शक्ति बनने के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त महसूस करते हैं, जो ईश्वरविहीन सभ्यता की अराजकता के बीच व्यवस्था लाती है और विश्वास, शान्ति और एकता के साथ मानव दिलों के बीच विभाजन को पाटती है।

आप की बात

कांग्रेस का दुःख

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, मुझे दुःख है कि कांग्रेस शासनकाल में महिलाओं को आरक्षण नहीं दे सकी। पहली बात तो यह है कि आखिर कांग्रेस क्यों सोती रही बरसों तक? फिर अब बिड़ियाँ चुन गई खेत तो प्रलाप करने से क्या होगा? मोदी सरकार जागी और उसने महिला आरक्षण बिल खुद के साथ ही विपक्ष से भी पास करवा लिया। जहाँ आपका 70 साल का अनुभव काम न आया वहाँ 7-8 की साल की अर्द्धांगिनी ही मोदी सरकार ने अंक अटक के हुए दुर्लभ काम को चुटकी में निपटा दिया। जहाँ तक जातीय गणना का काम का सवाल है, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जातियों के नाम पर कुछ लोग अमीर बनते हैं और आरक्षण के लाभ अपनी ही जातियों के गरीबों को नहीं पहुंचने देते हैं। अलग-अलग जातियों के पैरोकार रहे अनेक भ्रष्टाचार में गले तक डूबे नेताओं की असलियत जनता को पता चल गई है। अब जातीय जनगणना की मांग कर रही कांग्रेस दशकों तक मंडल रिपोर्ट पर कुंडली मारे बैठी रही, जबकि मोदी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है। भारत में जातीय अलगाव व भेदभाव समाप्त करने की जरूरत है।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

चुनाव सुधार

टी.एन. शेषन द्वारा किए चुनाव सुधार और उनकी कार्यशैली आज भी कुछ लोगों के मन पर अंकित है। शेषन ने चुनाव में होने वाले खर्च पर काफी अंकुश लगा दिया है। लेकिन अब फिर से प्रत्याशी चुनाव में अनाप-शनाप खर्च के हथकंडे अपनाने लगे हैं। ग्राम पंचायत सदस्य बनने के लिए भी प्रत्याशी लाखों रुपय खर्च कर रहे हैं। अब सामान्य जन में अवधारणा घर कर गई है कि अनेक लोगों के लिए अपनी काली कमाई का निवेश करने हेतु चुनाव एक अच्छा माध्यम है। हालांकि केवल असीमित खर्च की ही नहीं प्रत्याशियों के चरित्र और पास आईया लगाते हो र लगाने ही ए अधिक भी विधा धनप तेज करनी में बै उल्लेख

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

जेलेन्स्की की हिम्मत

यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की की हिम्मत एवं साहस को सलाम करना चाहिए जिन्होंने अपने से 20 गुना बड़े रूस की आक्रामकता एवं अत्याचार का न सिर्फ डट कर सामना किया है, बल्कि अंतिम सांस तक लड़ने का हौसला उन्मे कूट-कूट कर भरा हुआ है। विगत डेढ़ साल से उन्होंने बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में रहती निष्पृष्टा एवं कलेशाम का सामना निडरता के साथ किया है। उसकी इसी हिम्मत के कारण आज समूची पश्चिमी समुदाय एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है। राष्ट्रसंघ की वार्षिक बैठक को सम्बोधित करने के बाद व्हाइट हाउस पहुंचकर राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बैठक की और

उसके बाद कनाडा की संसद को संबोधित किया। तीनों स्थानों पर उन्होंने कहा कि अगर इस धरती पर लोकतंत्र एवं आज़ादी को बचाना है तो मास्को को एक बार और हमेशा के लिए हारना ही होगा। उसकी पुनराज्य इसलिए जरूरी है ताकि दुनिया में किसी भी बेकसूर राष्ट्र को नरसंहार जैसी ज्यादतियों से बचाया जा सके। रूस, चीन और उत्तर कोरिया को बढ़ती एकजुटता से स्पष्ट है कि आज तानाशाही शक्तियां पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को उसी प्रकार चुनौती दे रही हैं जिस प्रकार हिटलर ने दी थी। इस स्थिति से निपटना सबके लिए जरूरी हो गया है।

- जग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

बसपा पार्टी को फिर बड़ा झटका लगभग 200 लोगों ने किया कांग्रेस प्रवेश

चोरी का डीजल खरीदने सहित चार आरोपी को बलौदा पुलिस ने किया गिरफ्तार

ट्रेलर वाहन को रोककर चाकू दिखाकर करते हैं डीजल लूट



पायनियर संवाददाता < जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

जिले के जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र में बसपा और अन्य पार्टी को फिर एक बड़ा झटका लगा है, क्षेत्र के विभिन्न ग्राम के लगभग 200 बसपा एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रवेश किया है। जैजैपुर के सेमरिया ग्राम में आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में कपिसदा, बंसुला, सेमरिया, पोड़ीशंकर, गतवा सहित सात गांवों के

कार्यकर्ताओं ने आज कांग्रेस प्रवेश किया है। प्रदेश महामंत्री विधिक प्रकोष्ठ कमल पटेल ने सभी को कांग्रेस का गमछा पहनाकर पार्टी में प्रवेश कराया है। लोगों की मानें तो क्षेत्र में पिछले दो पंचवर्षीय से बसपा के विधायक हैं, पर मूलभूत सुविधाओं एवम मांग को लेकर उनको काफी जद्दोजहद करना पड़ता है, कई बार विधायक झूठे आश्वासन मिलते रहे पर क्षेत्र में विकास कार्य अधूरा ही रहा है, इससे नाराज सेमरिया क्षेत्र के

200 लोगों ने कांग्रेस की रीति नीति से प्रभावित होकर प्रदेश महामंत्री कमल पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस प्रवेश किया है। इस दौरान सामाज्य सेवी व विधि कांग्रेस प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार हमेशा किसान हितैषी काम कर रही है , चाहे धान खरीदी , गोधन न्याय योजना , कर्मचारियों के हित के लिए हो हमारी सरकार पूरी घोषणा के हर वादे को पूरी कर रही है। इस बार भी हमारी सरकार



पायनियर संवाददाता < जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

ट्रेलर वाहन को रोककर चाकू दिखाकर डीजल लूट करने वाले तथा चोरी का डीजल खरीदने सहित 04 आरोपी को किया गिरफ्तार बलौदा पुलिस की कार्यवाही. आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर। पीमिम कोराम पिता राजेन्द्र सिंह उम्र 32 वर्ष पता बोडेमुड़ा थाना खडगवा जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी बोडेमुड़ा थाना खडगवा जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी का जो ड्रायवरी का काम करता करता है जो रवि तिवरता जिला कोरबा वाले का ट्रैलर क्रमांक सी.जी. 10 बी.पी. 1301 को दीपका कोयला खदान से कोयला लोड कराकर कन्हाईबंद नैला जांजगीर जाने के लिए निकला था जो हिंद कोलवासी बिराहनी थाना बलौदा के पास रात्रि करीबन 12-01 बजे पहुंचा था कि वाहन ट्रैलर को राजकुमार खांडे निवासी बिराहनी एवं उसके अन्य साथी के द्वारा प्रार्थी को डरा धमका कर चाकू दिखाकर ट्रैलर को रोकवाकर ट्रैलर के डीजल टैंक से



400 लीटर डीजल लूट कर ले गया है कि प्रार्थी को लिखित रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। तत्काल पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी के दौरान मुखबीर सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले साहित्य पाटले निवासी बुचीहरदी बलौदा, राजकुमार खाण्डे निवासी बिराहनी, लखन जांगडे निवासी कोखी एवं आरोपी ह्रीतेश लहरे निवासी कोसा थाना मुलमुला को घेरा बंदी कर पकड़े हिरासत में लेकर पुछताछ कर मेमोरैण्डम कथन गवाहन के समक्ष लिया गया जो दिमांक घटना समय को अपने साथियों के साथ मिलकर उक्त ट्रैलर वाहन के डीजल टंकी के पाईप को काटकर कुल 11 जरिकेन डिब्बा 35 लीटर क्षमता वाली

में भरकर कुल 385 लीटर डीजल को लूटकर ले जाना एवं लखन जांगडे निवासी लपेटपारा कोरबी थाना बलौदा के पास 23,000 हजार रुपये में बिक्री करना तथा बिक्री की रकम 2500-2500 रुपये 8 हिस्से में बाटना तथा ब्रेजा गाडी का अलग से 3,000 हजार रुपये में हिलेश लहरे को देना तथा घटना में प्रयुक्त ब्रेजा कार, एक नम धारदार बड़ा लोहे का चाकू, नादी रकम 3500/रुपये लूट किये हुये कुल 11 जरिकेन डिब्बा 35 लीटर क्षमता वाली में भरकर कुल 385 लीटर डीजल किमती 38,000 रुपये को खरीददार लखन जांगडे से विधिवत पृथक -पृथक मुताबिक मेमोरैण्डम कथन चारो आरोपियों से जती को कार्यवाही किया गया है।

शास. प्राथ. शाला अमोदी के किचन गार्डन से निकलने लगी हरी हरी और ताजी सब्जियाँ

पायनियर संवाददाता < जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

जी हॉ! शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी मे शिक्षक गुलजार बरेठ की मेहनत रंग ला रही है और हरी - हरी और ताजी सब्जियां निकल रही है जिसको मध्यान्ह भोजन बनाने वाली महिलाये मध्यान्ह भोजन मे बच्चों के लिए उपयोग कर रहीं है ।

वैसे तो स्कूल मैदान पढ़ने - लिखने और खेलने के लिए होती है किन्तु बरसात के समय मे मैदान मे खपतवावर उग आते है , जिस पर शिक्षक गुलजार बरेठ रसोइयों के साथ मिलकर किचन गार्डन बनाने पर चर्चा किये। गाँव के ही ट्रेक्टर वाले से जुताई करवाकर उसमे बीज डाल दिये ,बस फिर क्या कुछ ही महीनों बाद हरी - हरी चुगुगा, भिंडी, गेवार- फख्डी और भटा निकलने लगी



। जिसका मध्यान्ह भोजन मे उपयोग किया जा रहा है।

समूह की महिलाये कहती है कि रोज - रोज हरी सब्जियाँ लाने मे बड़ी दिक्रत होती थी किन्तु किचन गार्डन बन जाने से राहत मिली है। शाला के प्रभारी प्रधान पाठक का कहना है कि किचन गार्डन की ताजी और हरी सब्जियाँ समूह की

महिलाओ के साथ - साथ बच्चों के लिए बहुत लाभदायक है। बच्चों को मध्यान्ह भोजन मे किचन गार्डन की हरी और ताजी सब्जियां परोसा जा रहा है ।शिक्षक गुलजार बरेठ कहते है कि किचन गार्डन की सब्जिजो को देखकर मन उत्तना ही खुश होता है जितना स्कूल के बच्चों को पढ़ते लिखते हुए देखकर होता है।

अनिल चीकू ने निगम कमीशनर को सौंपा डेंगू से बचाव के लिए 400ली जला-मोबिल

■ रायगढ़ का हर नागरिक अब डेंगू खत्म करने के लिए प्रयासरत- अनिल चीकू

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

शहर के विभिन्न स्थानों में कचरा, गंदगी और नालियों में साफ-सफाई के तहत डेंगू बीमारी का होना हुआ जिस पर अनेक बचाव और सफाई के लिए सस्ते और शतप्रतिशत कारगर उपायों का उपलब्ध होना आवश्यक है ही। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव अनिल अग्रवाल चीकू के नेतृत्व में आज लगभग 400 लीटर जला मोबिल रायगढ़ नगर पालिका निगम के कमिशनर सुनील रघुवंशी को निगम परिसर में सुपुर्द किया गया जिसका मूल उद्देश्य गंदे पानी,ब्रज्वाजाति नालियों,कचरे के स्थान आदि पर इसका छिड़काव नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के द्वारा समय पर कर दिया जाए जो डेंगू को पनपने ही न दें जिससे इस बीमारी की चपेट में आमजन नहीं आए और प्रयास के स्वरूप मे प्ष्वास्थ



रायगढ़ष्को अमली जामा पहनाया जा सके। कांग्रेस नेता अनिल अग्रवाल के साथ इस अवसर पर रवि यादव, आरिफ रजा,विनय शुक्ला, वाशिद अली, ऋषभ मिश्रा, अभिषेक चैहान, दुष्यंत साहू, सुरेद्र पटेल, आदर्श श्रीवास,अभिषेक सोनी आदि थे। अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल मे भी रायगढ़ वासियों ने मुक्त हथों से आपसी सहयोग किया था, ऐसे मे ट्रान्सपोर्टर भाइयों से आग्रह करने पर उक्त जला मोबिल उन्हें ट्रान्सपोर्टरों ने उपलब्ध कराया और जरूरत होने पर भविष्य में भी जला मोबिल निशुल्क रूप से शहर वासियों के लिए उपलब्ध किया जाएगा इस अवसर पर नगर निगम के कार्यपालन अभियंता अमृत लोहिया भी उपस्थित थे।

निगरानी के लिये 30 से अधिक अधिकारियों की बनाई गई टीम: तारन सिन्हा

■ डेंगू नियंत्रण के लिये हर संभव प्रयास जारी

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ शहर में फैल रहे लगातार डेंगू बीमारी को लेकर प्रशासनिक टीम पूरी तरह सतर्क हो गई है और जनता को डेंगू से बचाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जिला कलेक्टर तारन सिन्हा ने इस संबंध में आपात बैठक लेकर न केवल तीस जिला अधिकारियों की एक टीम बनाई है बल्कि घर-घर में सर्वे करने के भी दिशा निर्देश देते हुए स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास एवं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करते हुए हर स्तर पर काम करने के लिये दिशा निर्देश दिये हैं। इस संबंध में जिला कलेक्टर तारन सिन्हा ने बताया कि निगम के कुछ वाडों में लगातार बढ़ रही डेंगू मरीजों की संख्या के मामले में सजगता बरती जा रही है और जनता को जागरूक करने के साथ-साथ



उसके नियंत्रण के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि वे खुद व्यक्तिगत रूप से इस बढ़ती बीमारी को रोकने के लिये 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई लापरवाही के कारण जनता को परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि दो समवर्ती गतिविधियाँ हो रही हैं। जिसमें नगर निगम द्वारा बड़े पैमाने पर शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीमों घर-घर जागरूकता सर्वेक्षण कर

रहा है। घर-घर सर्वे अभियान से न केवल डेंगू मरीजों की संख्या का पता चलेगा बल्कि घरों में जमा होने वाले पानी तथा गंदगी को लेकर भी दी गई टिप्स से डेंगू मच्छर के लारवे पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। एक जानकारी के अनुसार प्रशासन को लगातार यह जानकारी मिल रही थी कि सरकारी अस्पतालों में कुछ कमियों की वजह से मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा था लेकिन जिला अस्पताल के साथ-साथ निजी चिकित्सालय में न केवल इसकी तैयारियों पर विशेष स्थान देने के निर्देश दिये गए हैं बल्कि शासकीय अस्पताल में अलग से वार्ड भी बनाये गए हैं। साथ ही साथ मोबाइल मेडिकल युनिट एवं स्लम इलाकों में जाकर मौके पर ही जांच की भी सुविधा जनता को दी जा रही है।जिला कलेक्टर तारन सिन्हा ने बताया कि दो दिनों से स्थिति काफी हद तक काफी नियंत्रण में है और प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिये सजग एवं तैयार है।

निरीक्षक मनीष सिंह परिहार थाना प्रभारी चांपा को दी गई प्रसस्ती पत्र

पायनियर संवाददाता < जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

छेड़छाड़ कर अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को विभिन्न धाराओं में 1-1 वर्ष का कठोर कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किए जाने से उत्कृष्ट विवेचना करने वाले पुलिस अधिकारी को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रसस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित। निरीक्षक मनीष सिंह परिहार थाना प्रभारी चांपा को दी गई प्रसस्ती पत्र। न्यायालय द्वारा निर्णय में आरोपी को धारा 354 भादवि में 01 वर्ष कठोर कारावास एवं अर्थदंड धारा 448 में 01 वर्ष कठोर कारावास व अर्थदंड से दंडित किया तथा अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर पृथक से कारावास का आदेश दिया। ग्राम परसही नाला थाना अकलतरा का आरोपी अर्जुन जगत वर्ष 2020 से प्रार्थिया/पीड़िता से लगातार छेड़छाड़ करता था। परन्तु प्रार्थिया लोक लाज के कारण उसकी



शिकायत कहीं नहीं की लेकिन 19 जून 2021 की शाम 5 बजे लगभग प्रार्थिया अपने घर के आंगन में टहल रही थी। उसी समय आरोपी प्रार्थिया के घर की बाउंड्री से कूदकर आंगन में टहल रही प्रार्थिया के साथ बुरी नियत से अश्लील हरकत करते हुए उसका हाथ पकड़ने लगा। प्रार्थिया द्वारा विरोध कर चिच्छने पर उसकी आवाज सुनकर घर के अंदर से प्रार्थिया के माता पिता व भाई बाहर आंगन तरफ आए जिन्हें देखकर आरोपी मौके से भाग गया, जिसकी रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा सट्टर कायम कर विवेचना में लिया गया था। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा सट्टर का सबूत पाए जाने से

विधिवत गिरफ्तार किया जाकर, आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र तैयार कर माननीय न्यायालय अकलतरा में पेश किया गया था, जिसकी विवेचना निरी मनीष सिंह परिहार तत्कालिक थाना प्रभारी अकलतरा द्वारा किया गया था न्यायालय अकलतरा द्वारा गवाहों के परीक्षण, प्रति परीक्षण उपरांत आरोपी को उस पर लगाए गए आरोपों पर दोषी पाते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अकलतरा द्वारा आरोपी अर्जुन उर्फ देव जगत निवासी परसहीनाला को धारा 354 भादवि में 1 वर्ष कठोर कारावास एवं अर्थदंड धारा 448 में 1 वर्ष कठोर कारावास व अर्थदंड से दंडित किया तथा अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर पृथक से कारावास का आदेश दिया। विवेचना अधिकारी निरीक्षक मनीष सिंह परिहार द्वारा उत्कृष्ण विवेचना कियें जाने के फलस्वरूप उनको पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रसस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

भा जा पा ने किया कांग्रेस पर घोटाला का प्रहारह हाथी को कान्हा केसली भेजने कि तैयारी

जैजैपुर विधानसभा में भाजपा के तीन केन्द्रीय मंत्री परिवर्तन यात्रा में हुंकार भरे

पायनियर संवाददाता < जैजैपुर
www.dailypioneer.com

यहां पर भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा का आगाज हुआ जिसमे की भारतीय जनता पार्टी के तीन केन्द्रीय मंत्री विशेष रूप से दिखाई पड़े जिस पर मंत्रियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम लोग 16 सितंबर 2023 से परिवर्तन यात्रा में निकले हुए हैं जो आज 24 सितंबर 2023 को जैजैपुर पहुंचे। इस तरह से हमारा अभियान पूरे भारत में चल रहा है।जिसमें मनसुख मडाविया केन्द्रीय मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी की गाथा को सुनाते हुए कहा कि आज से 2 वर्ष पहले कोविड से पूरे देश में हां-हां कार मचा हुआ था उस समय छत्तीसगढ़ प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य सहायता जनता को नहीं की। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय



नरेंद्र मोदी ने कोविड संक्रमण को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को तीन-तीन कोविड खुराक दिलाने की बात कही, वहीं पर धान खरीदी, यह केंद्र सरकार का ही देन है जो छत्तीसगढ़ में धान की खरीदी कर रहे हैं और उसमें प्रति क्विंटल में प्रदेश सरकार 25 रु आप लोगों को दे रही है। बाकी की राशि केंद्र सरकार का है। वहीं पर राव साहेब पाटील दानवे के केन्द्रीय मंत्री ने अपने विचार रखते हुए पांच बार सांसद एवं दो बार महाराष्ट्र का

विधायक रहे उन्होंने आज नरेंद्र मोदी के वजह से महिलाओं को 33व आरक्षण में दिलाने की बात कही। भारतीय जनता पार्टी ने गरीब, किसान ,आदिवासी ,दलित के लिए 80 करोड़ इस देश के करीब को मोदी जी ने आवास ,शौचालय ,जनधन खाता एवं 20 करोड़ महिलाओं को मुफ्त में जनधन खाता एवं उज्ज्वला गैस 100 रु में देने की बात कही और कोविड के समय प्रत्येक राशन कार्ड धारी

को 5 किलो अनाज मुफ्त देने की बात कही लेकिन छत्तीसगढ़ शासन ने केंद्र की 5 किलो अनाज देना उचित नहीं समझा। बी एल वर्मा केन्द्रीय मंत्री ने मोदी द्वारा किए गए कार्य को भी अपने उद्घोषन में आगे बढ़ाते हुए कहा, कि छत्तीसगढ़ में अनेको प्रकार की घोटाला हो रही है। आप लोग मानते हैं कि यहां पर घोटाला,भ्रष्टाचार, पक्का मकान का घोटाला,शौचालय का घोटाला, डामर घोटाला,उज्ज्वला गैस का घोटाला,

गौठान घोटाला, गोबर घोटाला छत्तीसगढ़ प्रदेश के कांग्रेस सरकार घोटाला पे घोटाला कर रही है। आप लोग हमें पुनः एक मौका दें ताकि हम लोग जो गरीबी है उसे हटकर भ्रष्टाचार एवं घोटाला की सरकार से मुक्त कर सकें भाजपा ही मुक्ति दिलाने वाली एक पार्टी है। मंच में बैठे सभी नेताओं ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को घोटाला एवं भ्रष्टाचार की सरकार घोषित किया। जैजैपुर विधानसभा में अनेक नेताओं ने

यहां के बहुजन समाज पार्टी के हाथी को अब हमें कान्हा केसली भेजना है ताकि यहां पर कमल का फूल खिलाया जा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ,नारायण चंदेल, सांसद गुहाराम अजगळे पूर्व विधायक निर्मल सिन्हा, कीर्तन चंद्रा, गोपी कुमार सिंह ठाकुर, सोनसाय देवांगन नगर पंचायत अध्यक्ष जैजैपुर, डॉ कैलाश भारद्वाज,नीलकंठ

सोनी,सुखदेव खटे,अमृत साहू, सुरेश साहू, मोहन कुमारी साहू, बंटी साहू, गणेशराम साहू, लोकेश साहू,नरेंद्र प्रजापति, सचिन सिंह, घसीराराम यादव ,भूषण चंद्रा से मंच खचाखच भरा हुआ दिखाई पड़ा। यहां पर तीन केन्द्रीय मंत्रियों को क्षेत्रीय नेताओं ने भव्य स्वागत किया। सैकड़ों की संख्या में दर्शक परिवर्तन यात्रा को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ संगीत कलाकार मोना सेन ने संगीत के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखा जिसमें रंगारंग प्रस्तुति उनके साथियों के द्वारा किया गया। गुहाराम सांसद को भाषण से दूर-भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा में सांसद गुहाराम अजगळे दिखाई मंच पर पड़े लेकिन उन्हें वक्तव्य करने के लिए कोई अवसर नहीं दिया गया।

किसानों को ठगकर फरार मक्का खरीददार, किसानों को धकेला कर्ज में

मानपुर थाने में मामला दर्ज, पर अब तक नहीं पकड़ पाई है आरोपी को पुलिस

■ करीब 40 किसानों से 27 लाख 85 हजार 117 रु. की ठगी

पायनियर संवाददाता < मोहला-मानपुर
www.dailypioneer.com

मानपुर विकासखंड में एक मक्का खरीददार बहुत से किसानों से मक्का खरीदकर किसानों को बिना पैसा चुकाए फरार हो गया है। उक्त खरीददार के किसानों से ठगी के चलते कई किसान कर्जदार हो गए हैं। किसानों ने मानपुर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। हालांकि फाँड मक्का खरीददार को पुलिस अब तक पकड़ नहीं सकी है। पीड़ित किसानों व पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मोहला व मानपुर में रहने वाले जितेंद्र उर्फ बंटी बेहरे ने इलाके के विभिन्न ग्रामों के करीब 40 किसानों से मक्का खरीदा है। जिसकी रकम 27 लाख 85 हजार रुपए 117 रुपए बंटी बेहरे से लेना है। किसानों ने बताया कि बंटी बेहरे किसानों को बिना पैसे दिए गायब हो गया है। वहीं उसके मोहला स्थित घर में ताला जड़ा हुआ है। वहीं मानपुर के घर से भी उक्त फाँड नरदतर है।

6 किसानों ने लिखाई रिपोर्ट, बाकी भी कराना चाहते है रिपोर्ट

बता दें कि नवागांव,भरीटोला व विभिन्न गांवों के ग्रामीण किसान जिन्होंने उक्त व्यक्ति के पास मक्का बेचा है उनमें से 6 किसानों ने बीते दिनों मानपुर थाने में पहुंचकर उक्त मक्का खरीददार बंटी बेहरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मानपुर पुलिस ने थाने में भादवी की धारा 420 के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। वहीं किसानों की माने तो बाकी के कई पीड़ित किसान खड़गांव व कांकेर जिले के लोहतर थानाक्षेत्र से संबंधित हैं। बाकी के कई किसान भी रिपोर्ट दर्ज कराना चाहते हैं। थानों तक भी किसान पहुंचे लेकिन वे रिपोर्ट दर्ज अब तक नहीं करा पाए हैं। रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश में ये किसान जुटे हुए हैं।

खरीददारी के मध्यस्थ को भी मिला धोखा, चिंता में मध्यस्थ

बताया जा रहा है कि भरीटोला निवासी एक ग्रामीण को उक्त मक्का खरीददारी में बंटी ने मध्यस्थ बनाया था। जिसके जरिये किसानों का मक्का खरीदा। अब हालात ऐसे हैं कि अपने उक्त मध्यस्त को भी आरोपी मक्का खरीददार फरार है। यही नहीं खरीददार ने अपने मध्यस्थ से भी कन्नौ काट रखी है। आलम ऐसा है कि मध्यस्थ ग्रामीण के सामने किसानों के पैसे दिलवाने की चिंता खड़ी हो गई है।

कलेक्टर,एसपी से भी किसानों ने लगाई है गुहार

ठगी का शिकार हुए किसान इस मसले पर न्याय के लिए कलेक्टर व एसपी के पास भी गुहार लगा चुके हैं। किसानों के मुताबिक बिते दिनों उन्होंने कलेक्टर व एसपी के सम्मक्षी ज्ञापन सौंप कर आरोपी ठग को पकड़कर उनकी डूबी रकम दिलाने की मांग की है। हालांकि नतीजा अब तक सिफर ही रहा है। आरोपी ठग पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। ज्ञापन में किसानों ने कलेक्टर व एसपी को अवगत कराया है कि 40 किसानों ने बंटी बेहरे को मक्का बेचा है जिसका 27,85,117 रुपए लेना बचा है। कलेक्टर एसपी से पैसा दिलवाने की गुहार किसानों ने लगाई है।

करंट की चपेट में आने से बच्ची और युवक की मौत

छुरिया। अंबागढ़ चैकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दाऊटोला में हृदय विदारक घटना घटित हुई है जहां एक सात वर्षीय बालिका व उसे बचाने गए गांव के ही एक युवक की करंट के चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। गांव में एक साथ दो लोगों की मौत होने से परिवार व गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन व पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सात वर्षीय हिना मंडावी पूजा के लिए सुबह फूल तोड़ने गई हुई थी जहां सोलर स्ट्रीट लाइट के खंभे के विधुत लाइन पर झुकने की वजह से बाड़े में विधुत आने से करंट की चपेट में आई जिसे देखकर बचाने गए गांव के 32 वर्षीय युवक तामेष्कर साहू भी करंट की चपेट में आ गया। इसके बाद तत्काल डायल 112 की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैकी लाया गया जहां डॉक्टरों द्वारा दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। गांव में असमय हुई दो लोगों की मौत से ग्रामीणों में जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ काफी रोष भी देखने को मिल रहा है। बताया गया कि पोल को लेकर ग्रामीणों के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि को ध्यानाकर्षण कराया गया था लेकिन मामले को दरकिनार करने की वजह से बड़ी दुर्घटना घट गई।

जरूरतमंदों के लिए मेडिसीन बैंक से निःशुल्क दवाई

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

जिंदगी की रोजमर्रा में अधिकतर लोग मेडिसिन लेने के बाद दो से तीन खुराक खाने के बाद ठीक होने के बाद नहीं खाते हैं, तो वहीं कई बार डाक्टर ही मेडिसिन मरीज के सेहत के हिसाब से बदल देते हैं। ऐसे में मेडिसिन को मेडिकल स्टोर्स में वापस भी नहीं कर सकते हैं, तो कई बार मरीज के देहांत हो जाने के बाद मेडिसिन फेंकना पड़ जाता है। दरअसल ऐसे मेडिसिन के लिए मेडिसिन बैंक की शुरुआत की जा रही है। जहां अनुपयोगी दवाई को एक्सपायरी तिथि कम से कम 3 माह बचे होने पर बैंक में जमा कर सकते हैं, तो वहीं डॉक्टर की पर्ची के आधार पर निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है। डोंगरगांव सीएचसी अंतर्गत तीन फार्मासिस्ट भोज साहू, विशाल खत्री व खेमराज लहरे ने गुजरात, नईदिल्ली व नोएडा के पैटर्न में मेडिसिन बैंक की परिकल्पना के साथ जनहित में सरकारी अस्पताल परिसर में एक अलग से मेडिसिन रखने के लिए काउंटर का निर्माण अस्पताल प्रबंधन के सहयोग से कराया है।



मेडिसीन बैंक के लिए शर्तें लागू

फार्मासिस्टों के मुताबिक मेडिसिन बैंक में अनुपयोगी दवाई जमा करने हेतु नियम व शर्तें लागू है। इसके लिए मेडिसिन के रेपर में साफ सुथरे शब्दों में मेडिसिन का नाम स्पष्ट होने के साथ व एक्सपायरी तिथि कम से कम तीन माह के लिए बाकी होनी चाहिए। वहीं निःशुल्क दवाई लेने हेतु डॉक्टर की पर्ची आवश्यक होगी।

फार्मासिस्टों के मुताबिक यह छत्तीसगढ़ का पहला मेडिसिन बैंक होगा। तीनों इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन आईपीए से जुड़े हुए हैं भोज साहू जिला अध्यक्ष हैं, एवं दुर्गा संभाग के पदाधिकारी है। वहीं फार्मासिस्ट विशाल खत्री जिला सचिव है।

विधायक प्रतिनिधि चंदू साहू क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

पायनियर संवाददाता < राजनंदगांव
www.dailypioneer.com

रतुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि चंदू साहू जी के करकर्मलों से क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। सोमवार को आयोजनों की कड़ी में रियाटोला में 02.80लाख की लागत से मुख्य सड़क से प्राथमिक शाला तक सीसी रोड निर्माण, ग्राम मगरथोयरा में शौचाला मंदिर लोकार्पण लागत 04.00 लाख, नाली निर्माण कार्य भूमिपूजन 03.00लाख का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि चंदू साहू जी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सहकारिता, कृषि सहित अनेक क्षेत्र में हमारे राज्य सरकार ने जो कार्य किये है उससे हमारे राज्य की जनता को इसका सीधा सीधा लाभ मिला है। उन्होंने कहा की प्रदेश में बेटी जनहिरोषी सरकार ने हर एक व्यक्ति के लिए सोचा और उस हिसाब से



योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन किया गया। आज प्रदेश के हर व्यक्ति तक कांग्रेस की योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है और आम जनता समृद्ध हो रही है। धान के बेहतर मूल्य से किसान समृद्ध हुए, युवाओं को राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से सामाजिक कार्य में आगे बढ़ने के अवसर मिले है। राज्य में जिस तरह कोविड के

समय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्य किये है वो अक्षतपूर्व है। हमारे समय में सबसे ज्यादा धान संग्रहण केंद्र खुले हैं। चंदू साहू ने कहा की ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहाँ विकास की गाथा बही गढ़ी गई हो। जाती, सम्प्रदाय, भेद भाव से अलग हटकर कांग्रेस ने सिर्फ विकास किया है और विकास की ये यात्रा अनवरत जारी रहेगी।

रेल महाप्रबंधक को विधायक बघेल ने पत्र के माध्यम से रेलवे की समस्या से कराया अवगत

पायनियर संवाददाता < डोंगरगढ़
www.dailypioneer.com

दृष्ट मध्य रेलवे बिलासपुर के रेल महाप्रबंधक बीते दिनों डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन में यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जहां क्षेत्रीय विधायक धुनेश्वर बघेल व्यस्तता होने के कारण अपने निजी सहायक रामजी साहू व अनिल मेश्राम के माध्यम से पत्र देकर रेलवे से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया है। पत्र के माध्यम से रेलवे महाप्रबंधक को बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन का सीमावर्ती डोंगरगढ़ स्टेशन छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे प्रमुख



धार्मिक पर्यटक स्थल है। लेकिन बहुत ही दुःखद मन से कहना पड़ रहा है कि रेल यात्री सुविधा के नाम से जैसा व्यवस्था होनी चाहिए कुछ भी नहीं है। डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र का रेलवे स्टेशन सुविधाओं के लिए मोहताज है। सुविधाओं के नाम से आपके संज्ञान में कुछ महत्वपूर्ण बिंदु पर अपनी मांग रखी। विधायक बघेल ने पत्र के माध्यम से रेलवे महाप्रबंधक से आग्रह किया कि मानवीय आधार पर जनसेवा में विशेष भूमिका अदा करते हुए यात्रियों को समय हो रही समस्या का निदान करें।

किसान के खेत में पेड़ पर चढ़ता दिखा तेंदुआ, इलाके में दहशत

पायनियर संवाददाता < डोंगरगढ़
www.dailypioneer.com

धर्मनगरी डोंगरगढ़ व खैरगढ़ के मध्य स्थित मां भवानी मंदिर के जंगल में फिर से तेंदुआ दिखाई दिया है। इससे क्षेत्र के ग्रामीण भयभीत हैं। भवानी मंदिर क्षेत्र से लगे ग्राम बनबोड़ में एक किसान के खेत में स्थित ऊंचे पेड़ पर तेंदुआ चढ़ा हुआ दिखाई दिया है। जिसका गांव के कुछ लोगों ने वीडियो भी बना लिया। तेंदुआ ऊंचे पेड़ पर अटखेलियां करता हुआ दिख रहा है। हालांकि तेंदुआ ने अभी तक किसी को नुकसान तो नहीं पहुंचाया है। लेकिन खेतों तक दस्तक देने से ग्रामीण दहशत में है। बता दें कि पिछले कई दिनों से लगातार ग्रामीण जंगल में बाघ होने की शिकायत कर रहे थे। लेकिन पेड़ पर दिखें

तेंदुआ से स्पष्ट हो गया कि बाघ ने नहीं बल्कि तेंदुआ ने दस्तक दे दी है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि तेंदुआ पूरे परिवार के साथ है। जिनमें एक मादा तेंदुआ और दो शावक शामिल है। पहले तो वन विभाग के अफसरों ने पल्ला झाड़ते हुए जंगली जानवर के न होने की बात की थी। लेकिन वीडियो वायरल होने पर अब वन विभाग भी तेंदुआ होने की पुष्टि कर रहा है।फूलिहाल ग्रामीणों में भय का माहौल है और वन विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। बता दें कि डोंगरगढ़ से 20 किमी की दूरी पर मां भवानी मंदिर पहाड़ पर स्थित है। यहां के घने जंगल में बाघ, भालू, तेंदुआ व अन्य जंगली जानवर कई बार देखे गए हैं। इस बार तेंदुआ खेतों तक पहुंच गया है। जिसके बस्ती तक भी पहुंचने की संभावना है।

तेल टीपा चोरी करने वाले युवक गया जेल

पायनियर संवाददाता < गंडईपंडरिया
www.dailypioneer.com

तेल टीपा चोरी करने वाले एक युवक को गंडई पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं उसके सहयोगी की तलाश जारी है। आरोपित युवक के पास से पांच नग तेल टीपा बरामद किया है। गौरतलब है कि 23 सितंबर को प्रार्थी ने लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि घटना दिनांक 21 सितंबर के रात्रि में उसके घर ग्राम कृतबांस में अज्ञात चोर ने घर में रखे तेल टीन रजनीपाम 05 नग कीमत 8500 रु. को चोरी कर ले गया है। प्रार्थी के घर में लगे



सीसीटीवी कैमरा की मदद से चोरी करने वाले आरोपी के पहने हुए कपड़े व चपल की मदद से आरोपी गजेन्द्र यादव को उसके मोहल्ले में घेरा बंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने चोरी के तेल टिन को अपने घर के बाड़ी में झाड़ियों में छुपाकर रखा था।

कन्या शाला में किया गया सायकल वितरण



पायनियर संवाददाता < गंडईपंडरिया
www.dailypioneer.com

नगर के शास. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सरस्वती

सायकल का वितरण वितरण किया गया। सायकल वितरण कक्षा नौवीं के 40 अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्राओं को दिया गया। इस अवसर पर लाल टारकेश्वर शाह खुशरो, विनोद ताम्रकार, चेतन

देवांगन, जावेद खान, हबीब खान, सुरज नामदेव, नीलम नामदेव, पुरेन्द्र साहू, शैलेंद्र दामोदर जायसवाल, श्रीमती संध्या पात्रोकर, प्रधान पाठक चंदेल और समस्त शिक्षक व बालिकाएं उपस्थित रहे।

भाय्यशाली ही आयोध्या का श्रीराम मंदिर देखेंगे : डॉ. नीरेंद्र

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

विधानसभा क्षेत्र के किरगी ब में दो दिवसीय रामधुनी प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यअतिथि बतौर समाजसेवी डॉ नीरेंद्र साहू सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता मे 16 मंडलियों ने भाग लिया। इस मौके पर साहू ने जोर देकर कहा कि देशवासियों का सौभाग्य है कि आयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण हो रहा है, और भाय्यशाली होंगे, जो अयोध्या में श्रीराम मंदिर देखेंगे। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ नीरेंद्र साहू ने सर्वप्रथम श्रीराम के तैल्यचित्र पर पुष्पार्पित वंदन कर मंडलियों से



मुलाकात की।उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवनशैली में उतारना चाहिए। इस दौरान महेश्वर साहू व मामेश साहू ने भी संबोधित किया। समिति के

द्वारिका प्रसाद, सुग्रीम निषाद, ज्ञानचंद साहू, छोटू साहू, भवानी साहू, संदीप साहू, उभे राम साहू, दीपक साहू, कमल साहू सहित संचालक शिक्षक राजेंद्र साहू उपस्थित थे।

नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना की राशि प्रदाय करने दिया आवेदन मकान पूरा गिरने की स्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास के लिए लगाई गुहार

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रति सोमवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के विभिन्न स्थानों से आवेदन लेकर कलेक्टोरेट पहुंचें लोगों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं को सुनते हुए शीघ्र निराकरण को सुनिश्चित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 172 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम गाड़ाडीह निवासी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्रदान करने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उनका कच्चा मकान अत्यंत जर्जर स्थिति में है, जिसका एक हिस्सा गिर गया है। जिसका अवलोकन पटवारी एवं सरपंच द्वारा किया

गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उनका नाम सर्वे सूची में दर्ज है। मकान पूरा गिरने की स्थिति में है जिससे मुझे और मेरे परिवार को आवासीय परेशानियों का सामना करना होगा। इस पर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।वार्ड 57 निवासी दिव्यांग ने बैट्री चलित ट्रायसायकल की मांग की। उन्होंने बताया कि गरीबी के चलते पैर के इन्फेक्शन का इलाज समय पर नहीं होने की वजह से इन्फेक्शन पूरे पैर में फैल गया, जिसके कारण पैर को कटवाना पड़ा। चलने के लिए एक बैट्री चलित ट्रायसायकल की



आवश्यकता है। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम मलपुरी निवासी ने अपने दिव्यांग पुत्री के इलाज के लिए सहायता राशि की मांग की। उन्होंने बताया कि पेंटिंग का कार्य

करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूँ। उनकी पुत्री दिव्यांग होने के साथ-साथ मनोरोगी है, जिसके कारण न ही वह उठ सकती है, बैठ सकती है और न ही खाना खा सकती है। वह पांचवी पास है। आगे की पढ़ाई करने के

पहले ही उसकी तबियत खराब हो गई। दिव्यांग पेंशन जो प्राप्त होता है उससे उसकी मनोरोग की दवाई लेता हूँ। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम मोहलाई निवासियों ने

बंद करने से पानी निकासी बंद हो जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्गा को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। पोलसाय पारा वार्ड क्रमांक 27 के

निवासी ने नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना की राशि प्रदाय करने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि मजदूरी कर जीवन यापन करता हूँ। मेरी पुत्री कॉलेज में अध्ययनरत है। पुत्री की पढ़ाई हेतु नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत आवेदन किया गया था। मेरी पुत्री की सन् 2022 की नौनिहाल योजना की राशि अभी तक अप्राप्त है। कलेक्टर ने सहायक भ्रमणयुक्त को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसी प्रकार प्रदेश महासचिव छत्तीसगढ़ आरटीआई संघ एवं व्हीसल ब्लोअर द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, पट्टा प्रदान करने, राजीव गांधी किसान न्याय योजना की दूसरी किस्त प्रदान करने, निराश्रित पेंशन राशि, मकान निर्माण कार्य करने सहायता राशि प्रदान करने, आर्थिक सहायता, वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन प्राप्त हुए।

215 पर्दों के लिए 29 सितम्बर को रोजगार मेला का आयोजन

दुर्गा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्गा द्वारा सृजन रोजगार अंतर्गत नियोजक द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट का आयोजन 29 सितम्बर 2023 को समय प्रातः 10.30 बजे जिला रोजगार कार्यालय दुर्गा में किया जाएगा। प्लेसमेंट केम्प में नियोजक यशोदा नन्दन पिट्टुन हॉस्पिटल दुर्गा, एलआईसी ऑफ इंडिया सिविक सेंटर भिलाई, एसबीआई लाईफ इश्योरेस कॉम लिमिटेड, एलआईसी रिसाली भिलाई एवं एलआईसी स्मृति नगर भिलाई के लिए 215 पद रिक्त हैं। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्गा के उप संचालक आर.के.कुर्से के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र (मलदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, राशन कार्ड) रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व बेरोजगारी भत्ता आवेदन की कॉपी एवं समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ प्लेसमेंट केम्प/रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

